পাঠ 10
পাঠ

অৱসৰ পোৱাৰ পিচত

মি. গুপ্তা : নমস্কাৰ শম্পকীয়া দেৱ। আপোনাক আজি কালি দেখা নাপাওঁ।

মি. শম্পকীয়া : যোৱা জানুৱাৰীত মম্প অৱসৰ পালোঁ। কাজেম্প বেছি সময় ঘৰতে থাকোঁ। মাজে মাজে অবশ্যে দিছপুৰলৈ তাঁত বাতি কৰি থাকিব লাগে।

মি. গুপ্তা : কিয় বা?

মি. শম্পকীয়া : মোৰ পেঞ্চনৰ কামখিনি হোৱাগৈ নাম্প। প্ৰথমতে কেৰাণী, তাৰ পাছত বৰবাবুৰ পিছে পিছে ঘূৰিব লাগে। শেষত অফিছাৰ-কো সন্তুষ্ট কৰিব লাগে। এম্পদৰে ভালে কেম্পদিন হয়গৈ।

মি. গুপ্তা : আমাৰ পিছে এম্পটো চিন্তা নাম্প। পেঞ্চন সময়মতেম্প হয়।

सेवा निवृत्ति के बाद

श्री गुप्ता : नमस्कार सइकिया जी। आपको आजकल नहीं देख पा रहा हूँ।

श्री सइकिया: पिछली जनवरी में मुझे सेवा से अवकाश मिल गया है। इससे अधिक समय घर में ही रहता हूँ। बीच बीच में मुझे दिसपुर का चक्कर अवश्य लगाना पड़ता है।

श्री गुप्ता : ऐसा क्यों?

श्री सइकिया: मेरा पेंशन का काम तो लटका हुआ ही है। पहले क्लर्क, फिर बड़े बाबू के पीछे-पीछे घूमना पड़ता है। बाद में अफसरों को खुश करना पड़ता है। इस तरह चक्कर काटते-काटते महीनों गुज़र जाते हैं।

श्री गुप्ता : हमारे साथ इस तरह की परेशानी नहीं है। पेंशन के

कागज़ात समय पर तैयार मिलते हैं।

মি. শম্পকীয়া : আপোনালোক চেন্ট্রেলৰ চাকৰি-য়াল। তাত সেম্পৌৱেম্প ভাল। পিছে আপুনি কেতিয়া অৱসৰ লব?

মি. গুপ্তা : মম্প অহা জুনত অৱসৰ ল'ম।

মি. শম্পকীয়া : হয় নেকি? আপুনি চাগৈ নিজৰ ঠাম্পলৈ যাব!

মি. গুপ্তা : নহয়, মম্প ম্পয়াতেম্প থাকিম। তেজপুৰৰ ওচৰতে মাটি দুকঠা লৈছোঁ। অহা মাহত তাতে ঘৰ আৰম্ভ কৰিম। ৰাম্পবেৰেলিলৈ আৰু নাযাওঁ।

মি. শম্পকীয়া : বৰ ভাল কথা। নিজৰ ঠাম্পনো আৰু কি? গোটেম্প ভাৰতবৰ্ষম্প আমাৰ নিজৰ। ঘৰৰ কাম কোনে চোৱা-চিতা কৰিব? আপুনি নিজেম্প কৰিব নেকি?

মি. গুপ্তা : মোৰ খুলশালিজন অভিযন্তা। প্রথমতে তেওঁ চোৱা চিতা কৰিব। শেষত ময়ো যোগ দিম। তলৰ মহলাত এখন গহনাৰ

श्री सइकिया: आपलोग तो केन्द्रीय सरकार के कर्मचारी हैं, न ! वहाँ ये ही सुविधाएँ हैं। वैसे भी आप कब सेवा निवृत्त हो रहे हैं?

श्री गुप्ता : अगले जून में मेरा भी सेवा से अवकाश हो जाएगा।

श्री सइकिया: ऐसा है? आप शायद अपने स्थान पर रहने चले जाएँगे।

श्री गुप्ता : नहीं, मैं यहीं रहूँगा। तेजपुर के पास करीब दो कट्ठा जमीन ली है। अगले माह वहाँ घर बनाना आरम्भ करूँगा। अब मैं रायबरेली वापस नहीं जाऊँगा।

श्री सइकिया: बड़ी अच्छी बात है। अपना स्थान क्या है? पूरा भारतवर्ष ही हमारा अपना है। घर का काम देख-रेख कौन करेगा? आप खुद करेंगे क्या?

श्री गुप्ता : मेरे साले महोदय अभियन्ता हैं। पहले वही देख-रेख करेंगे। बाद में मैं भी साथ दूँगा। नीचली मंजिल में एक गहने की दुकान खोलूँगा।

श्री सइकिया : मैं भी जनवरी के बाद एक अंग्रेज़ी विद्यालय आरम्भ

দোকান খুলিম।

মি. শম্পকীয়া : আমিও জানুৱাৰীৰ পৰা এখন স্পংৰাজী মাধ্যমৰ বিদ্যালয় আৰম্ভ কৰিম। মোৰ পত্নী প্রধান শিক্ষয়িত্রী হব। মম্প বাহিৰৰ কাম- কাজখিনি চাম।

মি. গুপ্তা : ভালেম্প হব। আমি অৱসৰ কালীন আমনি আৰু অনুভৱ নকৰোঁ। ব্যস্ততাম্প অৱসৰ জীৱন মধুময় কৰিব।

करूँगा। मेरी पत्नी प्रधानाध्यापिका होंगी। मैं बाहर का काम काज देखूँगा।

श्री गुप्ता :अच्छा रहेगा। हमें अवकाश के खाली समय का अनुभव नहीं होगा। व्यस्तता सेवा-निवृत्त जीवन को मधुमय बनाएगी।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	हिंदी अर्थ
आजि कालि	आजकल
সময়	समय
অৱসৰ	सेवा निवृत्ति
কাজেম্প	इसलिए
তাঁত বাতি	इधर से उधर चक्कर लगाना
কামখিনি	ढेर सारे काम
প্রথমতে	पहले
কেৰাণী	क्लर्क
বৰবাবু	बड़े बाबू

পিছে পিছে	पीछे-पीछे
ঘূৰিৰ লাগে	घूमना पड़ता
শেষত	अंत में
সন্তুষ্ট	संतुष्ट
ভালেকেম্পদিন	कई दिन
সময়মতে	समय पर
চিন্তা	चिन्ता, सोचना
চাগৈ	शायद
মাটি	जमीन, भूमि
কঠা	कट्ठा, भूमि का माप
গোটেই	पूरा
নিজৰ	अपना
চোৱাচিতা	देख-रेख
গহনা	गहना
তলৰ	नीचली
মহলা	मंजिल
আৰম্ভ	आरम्भ
বাহিৰ	बाहर
আমনি	ऊब
ব্যস্ততা	व्यस्तता
মধুময়	मधुमय, मनोहर

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण:

(क) মম্প ঘৰলৈ যাওঁ।

→ মম্প ঘৰলৈ যাম।

1. মম্প স্কুলত কাম কৰোঁ।
2. মম্প স্পয়াত থাকোঁ।
3. আপুনি নিজৰ ঠাম্পলৈ যায়।
4. ল'ৰাটোৱে কাম কাজ চায়।
5. খুলশালীয়ে স্পয়াত চাকৰি কৰে।

(খ) মম্প ঘৰত থাকোঁ।

→ মম্প ঘৰত নাথাকোঁ।

1. আপোনাক সদায় দেখা পাওঁ।
2. আমি আমনি অনুভৱ কৰোঁ।
3. মম্প বজাৰলৈ সদায় যাওঁ।
4. তেওঁ ঘৰৰ কাম চোৱাচিতা কৰে।
5. তেওঁ পিছবেলা দোকানলৈ যায়।

II. 'क' स्तम्भ के शब्दों के साथ 'ख' स्तम्भ में दिए गए प्रत्ययों में से सही प्रत्यय जोड़कर शब्द बनाइए:

'क'	'ख'
ৰাষ্টা	খন
দোকান	টো
গাম্প	কোছা
গৰু	জনী
ছাবি	টো

ডাল

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के सही रूप प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

1. **মস্প আজিকালি বেছি সময় ঘৰতেস্প __________। (থাক)**
2. **মস্প অহা জানুৱাৰীত অৱসৰ __________। (লব)**
3. **মস্প অহা বছৰ এখন দোকান __________। (খোল)**
4. **আপুনি অহা মাহত নিজৰ ঠাস্পলৈ ________ নেকি? (যা)**
5. **তেওঁ অহা মাহত কাম আৰম্ভ __________। (কৰোঁ)**

IV. एक वाक्य में उत्तर दीजिए :

1. **মি. শস্পকীয়া আজিকালি কিয় বেছি সময় ঘৰতেস্প থাকে?**
2. **মি. গুপ্তা অৱসৰৰ পিচত নিজৰ ঠাস্পলৈ যাব নে?**
3. **মি. গুপ্তাস্প তলৰ মহলাত কি কৰিব?**
4. **মি. শস্পকীয়াৰ স্কুলৰ প্ৰধান শিক্ষয়িত্ৰী কোন হব?**
5. **তেওঁলোকৰ অৱসৰ জীৱন কিহে মধুময় কৰিব?**
6. **মি. গুপ্তাৰ মূল ঘৰ (জন্মস্থান) ক'ত?**

V. उदाहरण के अनुसार वाक्य बनाइए।

उदाहरणः

যোৱা মাহত জানুৱাৰী পালোঁ অৱসৰ মস্প

→ যোৱা জানুৱাৰী মাহত মস্প অৱসৰ পালোঁ।

1. **নাস্প হোৱাগৈ কামখিনি মোৰ পেঞ্চনৰ**
2. **দুকঠা মাটি লৈছোঁ ওচৰতে তেজপুৰৰ**
3. **নিজৰ ঠাস্প সমগ্ৰ আমাৰ ভাৰতবৰ্ষখনেস্প**

4. বিদ্যালয় জানুৱাৰীৰ পৰা আমি অহা এখন আৰম্ভ স্পংৰাজী মাধ্যমৰ কৰিম

VI. বিস্তার से उत्तर दीजिए।

1. শম্পকীয়াৰ সমস্যা সম্পর্কে দু-আষাৰ লিখা।

2. কেন্দ্রীয় চৰকাৰৰ চাকৰিয়ালৰ সুবিধা সম্পর্কে আলোচনা কৰা।

3. অৱসৰৰ পিছত মি. শম্পকীয়াম্প কি আঁচনি লৈছে?

4. অৱসৰৰ পিছত মি. গুপ্তাম্প কি কৰিব বুলি ভাবিছে?

पढ़िए और समझिए।

কলেজ দিৱস

ৰাতিপুৱা অতনুৱে মাকক সুধিলে -- "মা, তুমি আজি কেতিয়া কলেজলৈ যাবা?" মাকে ক'লে, "মম্প আজি অলপ দেৰীকৈ যাম।"

আজি অতনুৰ মাকৰ কলেজৰ 'কলেজ দিৱস'। সেয়েহে আজি ল'ৰা ছোৱালীয়ে ক্লাচ নকৰে, অতনুৰ মাকহঁতেও ক্লাচ নলয়। আজি কলেজত খেল-ধেমালি, নাচ-গান আদিৰ নানান প্রতিযোগিতা হ'ব। তাৰে কিছুমানত অতনুৰ মাক বিচাৰক। আন কিছুমানত পৰিচালক। তেওঁ তাতেম্প খাব। আবেলি তেওঁ ঘৰলৈ গুচি নাহে। আবেলি তর্ক প্রতিযোগিতা আছে। মাত্র গধুলি অলপ সময়ৰ বাবে ঘৰলৈ আহিব। সাজ-পোচাক সলনি কৰিব। তাৰ পাছত আকৌ যাব। গধূলি এখন বিচিত্রানুষ্ঠান আছে। সেম্পখন তেওঁ উদ্বোধন কৰিব। তেওঁক অতনুক গধূলিৰ বিচিত্রানুষ্ঠানলৈ লগত লৈ যাব। তেওঁ ছয় বজাত ঘৰলৈ আহিব। তেতিয়া অতনু ঘৰত সাজু হৈ থাকিব। তেওঁলোকে অটো বা বাছেৰে নাযায়। অতনুহঁতক দেউতাকে গাড়ীৰে তাত থব। তেওঁলোকে ৰাতি দেৰীকৈ উভতিব।

অতনু উল্লাসিত হ'ল। সি হাততালি মাৰিলে। মাকে তেতিয়া কলে -- "নাচিব নালাগে, ঘৰত দেউতাৰাও নাম্প। যা, মোৰ কাৰণে এখন অটো আন। বহুত দেৰি হ'ল।"

অতনু তিনি আলিলৈ দৌৰ মাৰিলে।

नये शब्द

असमिया शब्द	हिन्दी अर्थ
অলপ	थोड़ा सा
ক্লাছ	क्लास
নকৰে	नहीं करेंगे
নলয়	नहीं लेगा
নানান	विभिन्न
প্রতিযোগিতা	प्रतियोगिता
তাৰে	उसमें से
কিছুমানত	किसी किसी में
বিচাৰক	विचारक
আন	अन्य, दूसरा
দুপৰীয়া	दोपहर
আহাৰ	खाना
আবেলি	शामको
গুছি	चले
সাজ-পোচাক	वेशभूषा
বিচিত্রানুষ্ঠান	विचित्रानुष्ठान/विविधा
উদ্বোধন	उद्‌वोधन
লগত	साथमें
সাজু	तैयार
দেউতাক	(उसकी) पिताजी
থব	रख आएगा
	ताली

হাততালি	নাচেঁগে
নাচিব	লাওঁ
আন	তিরাহা তক
তিনিআনিলৈ	

अभ्यास

I. प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ল'ৰা ছোৱালীয়ে ক্লাছ কিয় নকৰে?
2. অতনুৰ মাকে দুপৰীয়া আহাৰ ক'ত খাব?
3. তর্ক প্রতিযোগিতা কেতিয়া হব?
4. অতনুৰ মাক কলেজলৈ আবেলি কিহেৰে যাব?
5. বিচিত্রানুষ্ঠানখন কোনে উদ্বোধন কৰিব?

II. हिन्दी में अर्थ बताइए।

দেৰীকৈ

বিচাৰক

গুছি

বিচিত্রানুষ্ঠান

সাজু

III. हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

দিছপুৰ অসমৰ ৰাজধানী। আমি এবাৰ গুৱাহাটীলৈ যাম। তাত থকা কামাখ্যা মন্দিৰ চাম। ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ বুকুত থকা উমানন্দও চাম। উমানন্দ পৃথিৱীৰ ভিতৰতে আটাইতকৈ ক্ষুদ্ৰ নদী- দ্বীপ।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए।

मैं कल तेजपुर जाऊँगा। मेरे साथ मेरा छोटा भाई जाएगा। हम ब्रह्मपुत्र में नहाएँगे। ब्रह्मपुत्र में नौका-विहार भी करेंगे। बड़ा मज़ा आएगा। वहाँ से हम तवाँग भी जाएँगे। तवाँग हम बस से जाएँगे। तवाँग स्वीट्जरलैंड की तरह सुंदर है।

V. आप गर्मी की छुट्टियों में किसी दर्शनीय स्थान की सैर पर जा रहे हैं। इस बारे में असमिया में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. ভবিষ্যৎ কালৰ প্ৰত্যয় (भविष्य काल के प्रत्यय) : असमिया भाषा में भविष्य काल के दो प्रत्यय हैं। उत्तम पुरुष में **‘-ম্পম’** (-इम) / **‘-ম’** (**-**म) तथा मध्यम और अन्य पुरुष में **‘-ম্পব’** (-इब) / **‘-ব’** (-ब) लगाया जाता है। व्यंजनांत शब्दोंके साथ **‘-ম্পম’** (-इम) और **‘-ম্পব’** (-इब) तथा स्वरांत शब्दों के साथ **‘-ম’** (-म) और **‘-ব’** (-ब) लगाया जाता है।

2. পুৰুষ বিভক্তি (पुरुष विभक्ति) : भविष्य काल में सर्वनाम पदों के विभिन्न पुरुष रूपों में लगनेवाली विभक्तियों की सारणी नीचे दी जा रही है --

उत्तम पुरुष :--

-Ø (शून्य), कुछ नहीं लगता।

मध्यम पुरुष :

तुच्छार्थ **‘-ম্প’** (-इ)

बड़ा बड़ी **‘-আ’** (-आ)

आदरार्थ ‘-অ’ (-अ)

अन्य पुरुष :

आदरार्थ ‘-অ’ (-अ)

ऊपर दिए गए प्रत्यय जोड़ने से क्रिया के रूप इस प्रकार बनते हैं --

मम्प खुল + -म्पম + -Ø > খুলিম

मम्प খা + -ম + -Ø > খাম

तम्प আন + -म्पব + -म्प > আনিবি

আপুনি যা + -ব্ + -অ > যাব

তেওঁ পঢ় + -म्पব্ + -অ > পঢ়িব

3. নো (नो) : प्रश्नवाची वाक्यों में किसी शब्द के ऊपर विशेष बल देने के लिए उसके साथ ‘নো’ (नो) जोड़ा जाता है। जैसे --

(क) <u>তেওঁনো</u> কি জানে?

(ख) তেওঁ <u>কিনো</u> জানে?

‘क’ में बल ‘मम्प’ के ऊपर है और ‘ख’ में बल ‘कि’ के ऊपर है।

4. ভবিষ্যৎ কালৰ নেতিবাচক ৰূপ (भविष्य काल का नेतिवाचक रूप) : असमिया में साधारण भविष्य काल की क्रिया का नेतिवाचक रूप बनाने के लिए सामान्य वर्तमान काल का नेतिवाचक रूप प्रयोग में आता है। जैसे --

मम्प যাম > मम्प নাযাওঁ।

আমি কৰিম > আমি নকৰোঁ।

তেওঁ আহিব > তেওঁ নাহে।

लेकिन विशेष बल देने के लिए उक्त रूपों का प्रयोग नहीं हो सकता है। तब भविष्य काल की क्रिया के आगे नेतिवाचक ‘न-‘ उपसर्ग लगता है। जैसे --

মম্প নকৰিম নে? (मैं नहीं करूँगा क्या?) इसका अर्थ होता है -- মম্প কৰিমেম্প (मैं अवश्य करूँगा)।